प्रेरणा
"जिसके पास धैर्य है, वह जो चाहे वो पा सकता है..."

सच कहने की ताकत | साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-6 • 17 JANUARY TO 23 JANUARY 2025 • VOLUME 26 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING | DESIGN | TRAINING
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY
✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD
Low Filing Charges & *Pay Money after the visa
•IELTS •STUDY ABROAD
CANADA AUSTRALIA USA U.K SINGAPORE EUROPE
E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

सरकारी कर्मचारियों को मोदी सरकार का तोहफा

बजट से पहले आठवें वेतन आयोग को मंजूरी

नई दिल्ली. मोदी सरकार ने गुरुवार को केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने आठवें वेतन आयोग को मंजूरी दे दी है। केंद्र सरकार के इस फैसले के बाद से देशभर में लाखों सरकारी कर्मचारियों की सैलरी में बंपर इजाफा होने का रास्ता साफ हो गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन में संशोधन के लिए सरकार ने 8वें वेतन आयोग को मंजूरी दी है।

केंद्रीय मंत्री ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि 1947 से अब तक सात वेतन आयोग लागू हो चुके हैं। पीएम मोदी ने एक रेग्युलर पे कमिशन बनाने का संकल्प लिया था जिसके हिसाब से 2016 में सातवां वेतन आयोग शुरू हुआ था जोकि 2026 तक चलना था लेकिन उससे एक साल पहले ही सरकार ने इसे मंजूर कर दिया गया है।

वेतन आयोग का गठन हर 10 साल में एक बार किया जाता है ताकि कर्मचारियों के वेतन और रिटायर्ड कर्मचारियों को दी जाने वाली पेंशन में लगातार संशोधन करने के लिए सिफारिश की जा सके। महंगाई समेत कई फैक्टर्स के हिसाब से सैलरी और पेंशन में इजाफा किया जाता है। आखिरी वेतन आयोग यानी कि सातवें वेतन आयोग का गठन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की नेतृत्व वाली सरकार ने साल 2014 में किया था। इसके बाद 2016 में सिफारिशों को मोदी सरकार ने लागू किया था।

सातवें वेतन आयोग से पहले, चौथे, पांचवें और छठे वेतन आयोगों का कार्यकाल भी 10-10 सालों का था। इसी वजह सरकारी कर्मचारी काफी समय से आठवें वेतन आयोग के गठन की मांग कर रहे थे।

संसद में भी आठवें वेतन आयोग को लेकर सवाल पूछा जा चुका है। हालांकि, उस समय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने साफ किया था कि सरकार के पास फिलहाल आठवें वेतन आयोग के गठन के लिए कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। इसके बाद, ऑल इंडिया स्टेट गवर्नमेंट एम्प्लॉय फेडरेशन ने पिछले महीने दो टूक कहा था कि अगर नए साल पर आठवें वेतन आयोग को लेकर उनकी मांगों को नहीं मांगा गया तो देशव्यापी प्रदर्शन होगा। इसके साथ ही नेशनल काउंसिल (स्टाफ साइड) ज्वाइंट कंसेलटेटिव मशीनरी ने भी केंद्रीय कैबिनेट सचिव को लेटर लिखकर तुरंत ही नए वेतन आयोग की मांग की थी।

सैफ अली खान पर हमला करने वाले की हुई पहचान

मुंबई. मुंबई पुलिस ने गुरुवार को कहा कि सैफ अली खान का हमलावर चोरी करने के संभावित इरादे से अग्नि निकास सीढ़ी के माध्यम से अभिनेता के घर में दाखिल हुआ और घंटों तक वहां रहा, मुंबई के पॉश बांद्रा इलाके में उनके घर के अंदर उन्हें चाकू मारने के कुछ घंटों बाद मुंबई पुलिस ने गुरुवार को कहा। रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट के बाद 54 वर्षीय अभिनेता की सर्जरी हुई; वह फिलहाल स्थिर हैं। हमला देर रात करीब 2.30 बजे बच्चों के कमरे में हुआ जब एक घरेलू सहायिका ने घुसपैठिये को देखकर शोर मचाया। हंगामे का जवाब देते हुए, सैफ अली खान कमरे में दाखिल हुए और घुसपैठिए से भिड़ गए, जिससे हिंसक संघर्ष हुआ जिसमें अभिनेता को छह बार चाकू मारा गया। घरेलू सहायिका के हाथ में भी मामूली चोटें आईं।

घुसपैठिया, जिसकी पहचान कर ली गई है, घटनास्थल से भाग गया, जिसके बाद पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए दस टीमें गठित कीं। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) दीक्षित गेदाम ने कहा "घटना कल रात की है जब एक आरोपी सैफ अली खान के घर में घुस गया। आरोपी ने घर तक पहुंचने के लिए आग से बचने वाली सीढ़ियों का इस्तेमाल किया। यह चोरी का प्रयास प्रतीत होता है। वह सीढ़ियों का उपयोग करके घर में दाखिल हुआ, जो घर में घुसने का भी काम करता था। आग से बच गए। आरोपी की पहचान कर ली गई है और दस टीमें फिलहाल मामले पर काम कर रही हैं।

मुंबई पुलिस के अधिकारियों ने ऑफ-कैमरा ब्रीफिंग में पुष्टि की कि हमले के बाद खान को उनके परिवार और कर्मचारियों द्वारा अस्पताल ले जाया गया था। पुलिस ने आश्वासन दिया कि सैफ अली खान अब खतरे से बाहर हैं और ठीक हो रहे हैं। जब इस बारे में पूछताछ की गई कि आरोपी सैफ अली खान के आवास में कैसे दाखिल हुआ, तो पुलिस ने खुलासा किया कि हमले से पहले संदिग्ध कई घंटों तक घर के अंदर था। अधिकारियों ने अधिक सबूत जुटाने के लिए मामले के संबंध में 25 से 30 सीसीटीवी फुटेज क्लिप की समीक्षा की है।

26 से पहले किसानों का 'दिल्ली मार्च'

खनौरी. अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल के साथ एकजुटता दिखाने के लिए 111 किसानों द्वारा खनौरी सीमा के हरियाणा की ओर आमरण अनशन शुरू करने के एक दिन बाद, 101 किसानों का एक समूह 21 जनवरी को शंभू सीमा से दिल्ली के लिए अपना मार्च फिर से शुरू करने के लिए तैयार है। उनका उद्देश्य केंद्र सरकार पर फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित उनकी मांगों को स्वीकार करने के लिए दबाव डालना है।

किसान नेता और किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) के समन्वयक सरवन सिंह पंढेर ने कहा कि 101 किसानों के समूह (जत्था) ने पिछले साल 6 दिसंबर, 8 दिसंबर और 14 दिसंबर को शम्भू सीमा से दिल्ली तक मार्च करने के तीन प्रयास किए थे। हालाँकि, इन प्रयासों को हरियाणा पुलिस ने विफल कर दिया। पंधेर ने किसानों के निरंतर विरोध के बावजूद उनकी मांगों को संबोधित करने से इनकार करने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की।

उन्होंने कहा कि दोनों मंचों एसकेएम (गैर-राजनीतिक) और केएमएम ने फैसला किया है कि 101 किसानों का जत्था 21 जनवरी को शंभू सीमा से दिल्ली के लिए अपना मार्च फिर से शुरू करेगा। हमें लगता है कि सरकार किसी भी बातचीत में शामिल होने को तैयार नहीं है। इसलिए दोनों मंचों ने आंदोलन तेज करने का संकल्प लिया है। जगजीत सिंह दल्लेवाल की भूख हड़ताल, जो पिछले साल 26 नवंबर को पंजाब की ओर खनौरी सीमा बिंदु पर शुरू हुई थी, अब 52वें दिन में प्रवेश कर गई है। प्रदर्शनकारी डल्लेवाल के बिगड़ते स्वास्थ्य को लेकर काफी चिंतित हैं, उन्होंने चेतावनी दी है कि उनके लंबे समय तक उपवास करने से "कई अंग विफलता" हो सकती है।

दिल्ली के लिए कांग्रेस की तीन नई गारंटी

नई दिल्ली. कांग्रेस ने कहा कि अगर वह दिल्ली में सत्ता में आई तो वह शहरवासियों को 500 रुपये का एलपीजी सिलेंडर, मुफ्त राशन किट और 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देगी। यह घोषणा तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने की, जो यहां एआईसीसी दिल्ली प्रभारी काजी निज़ामुद्दीन और दिल्ली कांग्रेस प्रमुख देवेंद्र यादव के साथ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस ने तेलंगाना में चुनाव के समय जनता से जो वादे किए थे, हमने वो सभी पूरा करने की कोशिश की है। इसी तरह हमने दिल्ली की जनता से भी जो वादे किए हैं, वो पूरा कर दिखाएंगे।

6 जनवरी को, कांग्रेस ने अपनी 'प्यारी दीदी योजना' की घोषणा की, जिसमें सत्ता में आने पर महिलाओं को 2,500 रुपये का मासिक मौद्रिक अनुदान देने का वादा किया गया। 8 जनवरी को पार्टी ने अपनी 'जीवन रक्षा योजना' की घोषणा की, जिसके तहत उसने 25 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा देने का वादा किया। पार्टी ने रविवार को दिल्ली में शिक्षित बेरोजगार युवाओं को एक साल तक हर महीने 8,500 रुपये देने का भी वादा किया। 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा के लिए मतदान 5 फरवरी को होगा और वोटों की गिनती 8 फरवरी को होगी।

कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को पांच और उम्मीदवार घोषित किए। पार्टी ने 70 सदस्यीय विधानसभा चुनाव के लिए अब तक कुल 68 उम्मीदवार घोषित कर दिए है।

केजरीवाल के झूठ से तंग आ चुकी जनता : परवेश वर्मा

नई दिल्ली. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता परवेश वर्मा ने गुरुवार को 5 फरवरी के दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले जूते और साड़ियों सहित पैसे और सामान बांटने के आरोपों को खारिज कर दिया। वर्मा ने दावा किया कि ये आरोप आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा झेली गई हार के डर से लगाए गए हैं। वर्मा ने कहा कि लोग केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) के झूठ और विफलताओं से तंग आ चुके हैं। आप ने वर्मा पर नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में महिलाओं को जूते, साड़ी और कंबल के अलावा 1,100 रुपये बांटने का आरोप लगाया है, जहां भाजपा नेता केजरीवाल के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये सभी आरोप बेबुनियाद हैं और अपनी आसन्न हार को देखते हुए केजरीवाल की घबराहट का नतीजा हैं। उन्हें शांति से चुनाव लड़ना चाहिए और नई दिल्ली के लोगों को अपने द्वारा किए गए कार्यों के बारे में बताना चाहिए।

रिश्वत मांगने वाला निजी सुरक्षा गार्ड गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विजीलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सिविल अस्पताल जालंधर में तैनात एक निजी सुरक्षा गार्ड, नरेंद्र कुमार निवासी गांव चक्क साधू वाला (जिला होशियारपुर), को एक पीसीएमएस डॉक्टर के नाम पर 10,000 रुपये रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

राज्य विजीलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि के दौरान यह सही साबित हुए, क्योंकि इन्हें मौखिक सबूतों के साथ-साथ बातचीत की रिकॉर्डिंग के रूप में पेश किया गया। इस पुष्टि रिपोर्ट के आधार पर, उक्त आरोपी नरेंद्र कुमार के खिलाफ विजीलेंस ब्यूरो के थाना जालंधर रेंज में भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को कल सक्षम अदालत में पेश किया जाएगा।

तहसीलदार के नाम पर रिश्वत लेते हुए वसीका नवीस काबू

तहसील कॉम्प्लेक्स फरीदकोट में कार्य करता वसीका नवीस डिप्टी सिंह को तहसीलदार के नाम पर दूसरी किश्त के रूप में 5,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को परमजीत सिंह निवासी गांव टहिणा, जिला फरीदकोट की शिकायत पर गिरफ्तार किया गया है। शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाया, जिसमें आरोपी डिप्टी सिंह को दो सरकारी गवाहों की उपस्थिति में शिकायतकर्ता से 5,000 रुपये की दूसरी किश्त के रूप में रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया। आरोपी के खिलाफ विजिलेंस ब्यूरो थाने फिरोजपुर रेंज में भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पेट्रोल पंप डकैती की जांच में जालंधर ग्रामीण पुलिस ने जनता से मांगी मदद

हेल्पलाइन नंबर
कंट्रोल रूम जालंधर: 81948-00100
एसपी (जांच): 96461-05144
डीएसपी आदमपुर: 98768-21300
एसएचओ आदमपुर: 95179-87513

जालंधर (जालंधर ब्रीज). आदमपुर पेट्रोल पंप पर पिछले दिन हुई हथियारबंद डकैती की त्वरित प्रतिक्रिया में, जालंधर ग्रामीण पुलिस ने जिले भर में तलाशी अभियान शुरू किया है। 15 जनवरी, 2025 को दर्ज की गई इस घटना को आदमपुर पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 304(2) और शस्त्र अधिनियम की धारा 25 के तहत एफआईआर नंबर 08 के रूप में दर्ज किया गया है। सीसीटीवी फुटेज में कई संदिग्धों को डकैती करते हुए दिखाया गया है, जिनमें से कुछ मोटरसाइकिल पर सवार होकर भाग गए। फुटेज को फिलहाल फोरेंसिक विश्लेषण के तहत रखा गया है ताकि संदिग्धों और उनके वाहन की पहचान की जा सके। पुलिस ने इसे उच्च प्राथमिकता वाला मामला माना है और अपराधियों की तलाश तेज कर दी है। पुलिस ने संदिग्धों की पहचान या गिरफ्तारी के लिए विश्वसनीय सूचना देने वाले को 25,000 रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। सूचना देने वालों को पूरी गोपनीयता का आश्वासन दिया जाता है। जालंधर ग्रामीण पुलिस ने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है।

अमित शाह ने गुजरात के महेसाणा में गणपत यूनिवर्सिटी के 18वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया, कहा-

पीएम मोदी ने भारत को उत्पादन का हब बनाया

• **जालंधर ब्रीज.** अहमदाबाद

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुजरात के महेसाणा में गणपत यूनिवर्सिटी के 18वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के संरक्षक अध्यक्ष श्री गणपत पटेल और गुजरात सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री ऋषिकेश पटेल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आधुनिक शिक्षा व नारी सशक्तिकरण का प्रतीक गणपत यूनिवर्सिटी की उपस्थिति पूरे गुजरात और सभी गुजरातियों के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि आज गणपत यूनिवर्सिटी से 4175 विद्यार्थी शिक्षित और दीक्षित होकर जा रहे हैं। शाह ने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे अपने अन्दर के विद्यार्थी को कभी मरने नहीं दें, क्योंकि विद्यार्थी ही हमेशा प्रगति करता है। उन्होंने कहा कि पूरा जीवन नया सीखने और नई ऊँचाइयों को प्राप्त करने की वृत्ति ही मानव जीवन की प्रगति का आधार है। शाह ने विद्यार्थियों से कहा कि पढ़ाई पूरी करने के बाद जब वे देश के विकास और करियर बेहतर बनाने के काम में जुटें तो हमेशा इस बात को याद रखें कि हर चीज़ व्यक्ति को कुछ न कुछ सिखाती है। जो आँखें खुली रख कर सीखता रहता है, वह उन्नति और ऊंचाइयां प्राप्त करता है। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थियों को जीवन में ऊंचाइयां प्राप्त करने का लक्ष्य रखना चाहिए। गृह मंत्री ने कहा कि गणपत यूनिवर्सिटी ने ढेर सारे तकनीकी पाठ्यक्रमों के साथ-साथ कृषि से जुड़े कोर्स भी शुरू किए हैं। उन्होंने कहा कि आज गणपत यूनिवर्सिटी की ख्याति देश भर में बढ़ी है। यूनिवर्सिटी में 16 डिप्लोमा, 60 अंडर ग्रेजुएट और 60 पीएचडी कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किए जा रहे हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने पिछले 10 साल में भारत को दुनिया में उत्पादन का केन्द्र बनाने का काम किया है। आज दुनिया की हर एक कंपनी भारत में अपना यूनिट लगाने के लिए लालायित है। जब देश उत्पादन का हब बनता है तब उसका सबसे बड़ा फायदा युवाओं को होता है। शाह ने कहा कि पहले स्टार्ट-अप न के बराबर थे, लेकिन देखते-देखते आज 1000 से ज्यादा यूनिकॉर्न सहित लाखों स्टार्ट-अप हो गए हैं। उन्होंने कहा कि स्किल इंडिया और डिजिटल इंडिया ने युवाओं के लिए ढेर सारे अवसर पैदा किए हैं। शाह ने कहा कि मोदी जी ने मुद्रा योजना, डिजिटल इंडिया और ढेर साड़ी पीएलआई योजनाओं के माध्यम से न केवल उत्पादन का हब बनाया, बल्कि करोड़ों युवा तैयार किये हैं जो स्किल्ड होकर देश और दुनिया की सेवा करेंगे।

भाजपा ने जारी की चौथी लिस्ट

नई दिल्ली. भाजपा ने दिल्ली में आगामी चुनावों के लिए 9 उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी की है। बवाना से पार्टी ने रविंद्र कुमार को टिकट दिया है। वहीं वजीरपुर से पूनम शर्मा चुनाव लड़ेंगी। दिल्ली कैंट से भुवन तंवर, संगम विहार से चंदन कुमार चौधरी, ग्रेटर कैलाश से शिखा राय चुनावी मैदान में होंगी। त्रिलोकपुरी से रविकांत उज्जैन, शहादरा से संजय गोयल, बाबरपुर से अनिल वशिष्ठ और गोकुलपुर से प्रवीण निमेष को टिकट दिया गया है।

प्रधानमंत्री आज करेंगे भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 का उद्घाटन

नई दिल्ली (जालंधर ब्रीज). प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार सुबह 10:30 बजे नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 का उद्घाटन करेंगे। यह भारत का सबसे बड़ा मोबिलिटी एक्सपो होगा। यह एक्सपो 17-22 जनवरी, 2025 को तीन अलग-अलग जगहों आयोजित किया जाएगा। नई दिल्ली में भारत मंडपम और यशोभूमि तथा ग्रेटर नोएडा में इंडिया एक्सपो सेंटर एवं मार्ट पर। एक्सपो में 9 से अधिक एक ही समय में होने वाले कार्यक्रमों, 20 से ज्यादा सम्मेलनों और पवेलियन का आयोजन किया जाएगा।

महाकुंभ में लगानी है डुबकी तो जान लें कैसे पहुंचे प्रयागराज संगम नगरी

TRAVELLING

महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने का प्लान है तो जान लें प्रयागराज पहुंचने का तरीका और साथ ही त्रिवेणी स्नान के लिए कैसे जाएं?

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

13 जनवरी को पूर्णिमा के साथ ही महाकुंभ शुरू हो गया। पूरे 12 साल बाद लगने वाले इस महाकुंभ मेले का हिंदू धर्म में खास महत्व है। देश और दुनियाभर के लोग महाकुंभ में आते हैं और गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती की त्रिवेणी में स्नान करते हैं। अगर इस साल 12 साल बाद लगने वाले महाकुंभ में जाने का प्लान हैं तो जान लें कैसे पहुंचे प्रयागराज और साथ ही संगम नगरी में कैसे त्रिवेणी स्नान किया जा सकता है।

प्रयागराज कैसे पहुंचे

इलाहाबाद का नाम बदलकर प्रयागराज कर दिया गया है। यूपी के इस जिले तक

पहुंचना बहुत आसान है। क्योंकि देश के लगभग सभी मुख्य शहरों से प्रयागराज रेलवे के जरिए जुड़ा हुआ है। प्रयागराज में जंक्शन के अलावा छिवकी, सूबेदारगंज, रामबाग जैसे रेलवे स्टेशन हैं। जहां पर अलग-अलग शहरों से आने वाली ट्रेनें रुकती हैं।

बाई रोड पहुंचना भी है आसान

दिल्ली से प्रयागराज के लिए कई बसें चलती हैं। जो दस से बारह घंटे में आसानी से प्रयागराज पहुंचा देती हैं। सिविल लाइंस बस स्टैंड पर ज्यादातर शहरों के लिए बसें आसानी से मिल जाती हैं। वहीं प्राइवेट ट्रांसपोर्ट की सुविधा भी यहां है।

सभी खास शहरों से जुड़ा है एयरपोर्ट

प्रयागराज का एयरपोर्ट शहर से साढ़े सात किमी की दूरी पर है। जहां से डोमेस्टिक फ्लाइट आसानी से दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, भुवनेश्वर, रायपुर, देहरादून, विलासपुर और लखनऊ के लिए मिलती है।

जंक्शन से महाकुंभ मेले की दूरी

प्रयागराज जंक्शन से त्रिवेणी संगम की दूरी लगभग 10 किमी की है। गंगा और यमुना के किनारों पर पूरे टेंट की नगरी बसायी जाती है। जहां तक पहुंचने के लिए शहर में आसानी से प्राइवेट और पब्लिक ट्रांसपोर्ट मिल जाते हैं। जो कुंभ मेले के करीब पहुंचा देते हैं। हालांकि महाकुंभ मेले में एंट्री के साथ ही पैदल ही रास्ता तय करना होता है।

त्रिवेणी स्नान के लिए कैसे जाएं

गंगा और यमुना नदी के घाटों से आसानी से नाव में बैठ कर त्रिवेणी स्नान किया जा सकता है। गंगा, यमुना और सरस्वती की अदृश्य धारा बिल्कुल बीचों बीच होती है। जहां तक जाने के लिए नाव का सहारा लिया जाता है। पूरे मेले में नदी में स्नान के लिए सेफ्टी का खास ध्यान रखा जाता है।

STUDY

क्या अकेलेपन से हो सकता है इंफेक्शन? स्टडी में सामने आई ये बात

अकेलापन शरीर को अंदर ही अंदर खोखला बना देता है। इससे दिमागी हालात भी काफी हद तक खराब हो जाती है...

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

अकेले रहना कई बार आपके मन को खुश कर सकता है, लेकिन अगर कोई व्यक्ति लोगों से दूर भागता है और सिर्फ अकेले रहना पसंद करता है तो इससे शरीर अंदर ही अंदर से खोखला बन जाता है। ऐसे में सलाह दी जाती है कि परिवार और दोस्तों के साथ कनेक्टेड रहना जरूरी है। जब आप एक दूसरे से जुड़े रहते हैं तो मानसिक और शारीरिक तौर पर खुद को फिट रख सकते हैं। जी हां, एक नई स्टडी के मुताबिक अकेलापन न सिर्फ मेंटल हेल्थ को नुकसान पहुंचाता है बल्कि ये इंफेक्शन का कारण भी बन सकता है। आइए, जानते हैं क्या कहती है स्टडी-

क्या कहती है स्टडी

यूके के कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी और चीन के फुडन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने यूके बायोबैंक अध्ययन में 42,000 से ज्यादा वयस्कों के ब्लड सैंपल को चेक किया। जिसमें उन्होंने पाया कि सोशली दूर रहना और अकेलापन खून में अलग प्रोटीन से जुड़ा हुआ है जो गंभीर हेल्थ प्रॉब्लम जैसे सूजन, इम्यून रिस्पोंस और स्ट्रेस रेगुलेशन पर असर डाल सकता है।

कितनी तरह के प्रोटीन की हुई पहचान

सोशली दूर रहने पर व्यक्ति सामाजिक संपर्क और एक्टिविटी से दूर रहता है। जबकि अकेलापन अकेले रहने की भावना है। ये दोनों अलग-अलग हैं, नेचर ह्यूमन बिहेवियर के अध्ययन में दोनों से जुड़े प्रोटीन में खास ओवरलैप पाया गया। शोधकर्ताओं ने सोशली दूर रहने से जुड़े 175 प्रोटीनों और अकेलेपन से जुड़े 26 प्रोटीनों की पहचान की, जिनमें से 85% प्रोटीन अतिव्यापी हैं। ये प्रोटीन सूजन, वायरल प्रतिक्रियाओं और मधुमेह और दिल संबंधी समस्याओं जैसी बीमारियों में शामिल होते हैं।

पहचाना गया प्रमुख प्रोटीन है...

रिपोर्ट्स का कहना है कि पहचाना गया एक प्रमुख प्रोटीन एडीएम था, जो तनाव और ऑक्सीटोसिन जैसे सोशल हार्मोन को नियंत्रित करता है, जिसे 'लव हार्मोन' के रूप में जाना जाता है। हाई एडीएम लेवल भावनात्मक और सामाजिक प्रोसेसिंग के लिए जिम्मेदार छोटे मस्तिष्क क्षेत्रों और जल्दी मृत्यु के बढ़ते खतरे से जुड़े थे। इसके अलावा एक दूसरा प्रोटीन, एएसजीआर1, हाई कोलेस्ट्रॉल और दिल की बीमारी के अधिक जोखिम से जुड़ा था। पहचाने गए अन्य प्रोटीन इंसुलिन प्रतिरोध, धमनी डैमेज और यहां तक कि कैंसर की प्रगति से जुड़े हुए हैं।

च्छी हेल्थ के लिए क्या करें

अच्छी शारीरिक हेल्थ के लिए सामाजिक रूप से जुड़े रहें। शोधकर्ता सामुदायिक कार्यक्रमों, सामाजिक एक्टिविटी से जुड़े रहने का सुझाव देते हैं क्योंकि ये अकेलेपन को कम करने और हेल्थ में सुधार करने में मदद कर सकते हैं।

सब्जी बनाते हुए ना करें गलतियां, पोषक तत्व और स्वाद दोनों हो जाते हैं खत्म

सब्जियां हमारी रोजाना की डाइट का हिस्सा है। ये पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं हालांकि अगर इन्हें पकाते समय कुछ बातों का ध्यान ना दिया जाए तो इनके स्वाद और पोषक तत्व दोनों खत्म हो सकते हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

सब्जी हमारे खानपान का बहुत अहम हिस्सा है। लंच हो या डिनर भारतीय घरों में रोटी और चावल के साथ कम से कम एक सब्जी तो बनती ही है। ये ना सिर्फ स्वादिष्ट होती हैं बल्कि पोषक तत्वों से भी भरपूर होती हैं। यूं तो सब्जी बनाने का सबका अपना अलग तरीका होता है लेकिन फिर भी कुछ ऐसी गलतियां हैं, जो अक्सर सब्जी बनाते हुए लोग कर जाते हैं। ये गलतियां महज आपकी सब्जी के स्वाद को ही खराब नहीं करतीं बल्कि उसके पोषक तत्वों को भी खत्म कर देती हैं। तो चलिए आज जानते हैं इन्हीं कॉमन कुकिंग मिस्टेक्स और साथ ही सब्जी बनाने के सही तरीके के बारे में।

सब्जियों को काटते और धोते समय ना करें ये गलतियां

कोई भी सब्जी बनाने से पहले जाहिर है उसे धोया जाता है और काटा जाता है। इस दौरान भी कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। सबसे पहले तो सब्जियों को बार-बार धोने से बचें। कुछ लोग सब्जी धोने के बाद काटते हैं और फिर उसे दोबारा वॉश करते हैं। ऐसा करने से सब्जी के पोषक तत्व भी नष्ट हो जाते हैं। इसलिए हमेशा सब्जी को धोने के बाद ही काटें और उसे दोबारा ना धोएं। कुछ लोग सब्जियों को काटने के बाद उन्हें पानी में कुछ देर के लिए छोड़ देते हैं, ऐसा करने से भी बचें। रही सब्जियों को काटने की बात, तो उन्हें हमेशा थोड़े बड़े टुकड़ों में ही काटें। ज्यादा छोटे टुकड़ों में सब्जी काटने से उसके पोषक तत्व घुल जाते हैं।

सब्जियों को ज्यादा देर तक ना पकाएं

किसी को सब्जी को ज्यादा देर तक पकाने से बचें। कुछ लोगों का मानना होता है कि ज्यादा देर तक सब्जी पकाने से उसकी ग्रेवी गाढ़ी होती है और स्वाद भी काफी अच्छा आता है। जबकि ऐसा करने से सब्जी में मौजूद पोषक तत्व खत्म होने लगते हैं। ऐसे में अगर आप कोई ऐसी सब्जी पका रहे हैं, जिसे बनने में बहुत समय लगता है तो प्रेशर कुकर का इस्तेमाल करें। कुकर में सब्जी जल्दी भी बनेगी और उसके पोषक तत्व भी बरकरार रहेंगे।

कम पानी का करें इस्तेमाल

कुछ सब्जियां रसीली ही अच्छी लगती हैं लेकिन हर रोज अगर आप सब्जी बनाते हुए ज्यादा पानी का इस्तेमाल करते हैं, तो ये सब्जियों के पोषक तत्वों को कम कर देता है। दरअसल सब्जी में ज्यादा पानी डालने से उसके कई पोषक तत्व पानी में घुलकर नष्ट हो जाते हैं। ऐसे में सब्जी बनाने के लिए कम से कम पानी का ही इस्तेमाल करें और उसे भाप के द्वारा ही पकाएं। इससे सब्जी के पोषक तत्व और स्वाद दोनों बरकार रहेंगे।

तेल का ना करें बार-बार इस्तेमाल

अक्सर महिलाएं पूड़ी-पराठे बनाने के बाद बचा हुआ तेल सब्जी बनाने में इस्तेमाल कर लेती हैं। ऐसा करने से ना सिर्फ सब्जी का स्वाद खराब हो जाता है बल्कि ये सेहत के लिहाज से भी काफी नुकसानदायक है। इससे बैड कोलेस्ट्रॉल का खतरा भी काफी बढ़ जाता है। इसके अलावा अगर आप हर सब्जी बनाने के लिए सिर्फ सरसों के तेल का ही इस्तेमाल करती हैं तो ये आपकी सब्जी का स्वाद बिगाड़ सकता है। दरअसल कुछ सब्जियों का फ्लेवर सरसों के तेल के साथ अच्छी तरह नहीं आ पाता है, जिसकी वजह उनका स्वाद भी बिगड़ जाता है।

एग्जाम में पेरेंट्स बच्चों की करना चाहते हैं मदद, टिप्स को अपनाएं

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

एग्जाम आने से पहले बच्चे काफी ज्यादा घबराए और डरे हुए होते हैं। वहीं पेरेंट्स भी उनके ऊपर अच्छे मार्क्स लाने का प्रेशर बनाते हैं, जिससे बच्चें एग्जाम फोबिया का शिकार हो जाते हैं। एग्जाम बच्चों के लिए स्ट्रेसफुल समय होता है। इस दौरान बच्चों में मूड में बदलाव और तनाव के लक्षण दिखाई देते हैं। अगर बच्चे में खराब नींद का पैटर्न या भूख में बदलाव है। तो जरूरत है कि आप बच्चों के लिए माहौल बदलें। यहां हम बता रहे हैं किएग्जाम की तैयारी में पेरेंट्स बच्चों की मदद कैसे कर सकते हैं-

1) **बच्चों की बात सुनें :** एग्जाम स्ट्रेस की वजह से बच्चे अक्सर अपने दोस्तों से भी नहीं मिल पाते हैं और ज्यादा समय घर में ही बिताते हैं। ऐसे में पेरेंट्स का फर्ज बनता है कि वह बच्चों की परेशानियों को सुनें। जब आप बच्चों की परेशानियों को सुनते हैं तो उन्हें अच्छा लगता है और स्ट्रेस का लेवल कम होता है।इन परेशानियों को सुनने के बाद आप उन्हें कुछ सलाह दे सकते हैं, लेकिन इसे उनपर थोपना गलत है।

2) **पढ़ाई का माहौल बनाएं :** माहौल बनाना किसी भी अन्य चीज से ज्यादा जरूरी है। बच्चों के लिए तैयारी शुरू करने के कुछ ही मिनटों में ऊब जाना आसान है। बोरियत होने पर उनका ध्यान भी भटक जाता है। ऐसे में बच्चों के लिए पढ़ाई का एरिया तैयार करें। जब वे डेस्क पर पढ़ रहे हों तो स्मार्टफोन, वीडियो गेम और अन्य चीजों को दूर रखें। इसके अलावा कमरे में पर्याप्त रोशनी रखें और एक आरामदायक कुर्सी रखें।

3) **बच्चों के साथ गोल सेट करवाएं :** पेरेंट्स बच्चों को पढ़ाई के लिए गोल्स सेट करने में मदद करें। इससे यह ट्रैक करने में मदद मिलती है कि क्या पढ़ाई करने की जरूरत है। गोल्स सेट करवाने के लिए बच्चे के साथ बैठें।

4) **बच्चों पर दबाव न बनाएं :** अगर आप चाहते हैं कि बच्चे के अच्छे नंबर आएं तो इसके लिए उनपर ज्यादा दबाव न बनाएं। वहीं अगर आप बच्चों से बहुत ज्यादा सवाल पूछते हैं तो इससे बचें क्योंकि ऐसा करने पर उनके दिमाग पर असर पड़ता है। ऐसे में बच्चा दबाव में आ जाता है और स्ट्रेस फील करने लगता है।

बाल दिन पर दिन पतले और कमजोर हो रहे तो इस चीज से करें हेयर वॉश

बालों के पतलेपन से परेशान हैं तो मोटा और घना बनाने के लिए इस चीज से बालों को साफ करें।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

बालों को टूटने-झड़ने से बचाने के बाद भी बालों में वॉल्यूम नहीं दिखता। पतले, बिल्कुल बेजान और हल्के से बाल अक्सर लड़कियों के लिए प्रॉब्लम बने रहते हैं। क्योंकि ऐसे बालों में स्टाइलिंग भी नहीं हो पाती है और बाल जल्दी से टूटने लगते हैं। बाल बिल्कुल पतले रेशे जैसे हो गए हैं तो उन्हें मजबूत बनाने के लिए इन चीजों से करें हेयर वॉश।

बटरमिल्क में ग्रीन टी मिलाकर धोएं बाल

सिर के बालों में वॉल्यूम कम होना मतलब कि कई सारे न्यूट्रिशन की कमी। आयुर्वेद के अनुसार शरीर में पित्त की मात्रा बढ़ जाने की वजह से बाल पतले और बेजान होने लगते हैं। ऐसे में छाछ की मदद से बालों को घना और मोटा बनाया जा सकता है।

कैसे धोएं छाछ से बाल

बालों को धोने के लिए छाछ में ग्रीन टी मिलाकर उबाल लें। जब ये छाछ ठंडा हो जाए तो शैंपू की तरह बालों में लगाकर हल्की मसाज करें और फिर बालों को नॉर्मल टेंपरेचर पानी से धो लें। छाछ में लेक्टिक एसिड, प्रोटीन, विटामिन ए और बी 12 होते हैं। साथ ही आयरन, पोटैशियम और सोडियम की भी अच्छी खासी मात्रा होती है। जिससे बाल ना केवल घने होते हैं बल्कि काले होने में भी मदद मिलती है।

सर्दियों का डैंड्रफ भी दूर हो जाएगा

सर्दियों में होने वाले डैंड्रफ को भी दूर भगाने में बटरमिल्क मदद करेगा। सप्ताह में कम से कम दो से तीन बार छाछ में ग्रीन टी मिलाकर बालों को साफ करें। इससे बालो में शाइन भी आएगी।

डिस्क्लेमर : यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।

बड़े चाव से खाते हैं गाजर का हलवा, तो जान लें एक कटोरी में होती हैं कितनी कैलोरीज

HEALTH

सर्दियों में गाजर का हलवा खूब खाया जाता है। मीठा खाने के शौकीन लोग तो दिन भर में दो से तीन कटोरी गाजर हलवे की चट कर जाते हैं। अगर आप भी बहुत चाव से इस हलवे को खाते हैं तो जानिए एक कटोरी में कितनी कैलोरीज होती हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

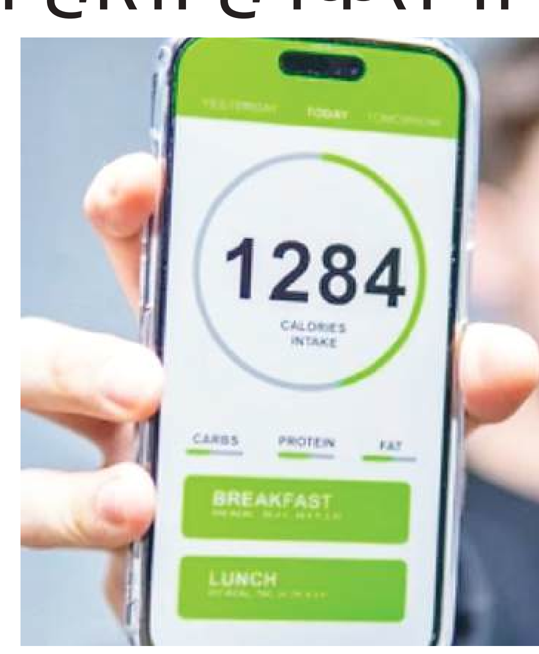

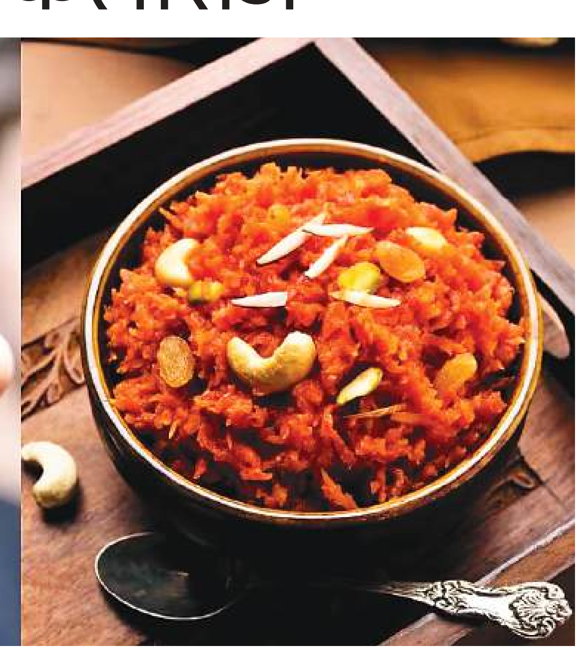

सर्दी में मीठी गाजर से बना हलवा स्वाद में अच्छा लगता है, यही वजह है कि लोग दिन भर में 2 से दिन कटोरी स्वाद-स्वाद में खा लेते हैं। ठंड के दिनों में गली-चौराहों पर भी गाजर का हलवा बेचने के लिए कई स्टॉल्स लग जाते हैं। बहुत ज्यादा चाव से खाए जाने वाले इस हलवा सेहत पर भारी पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि गाजर के हलवा एक हाई कैलोरी फूड है। ऐसे में अगर लोग इसे बहुत ज्यादा खाते हैं तो ये आपकी सेहत पर तो भारी पड़ सकता है, साथ ही इससे वजन भी बढ़ सकता है। ऐसे में आइए इस आर्टिकल में जानते हैं कि आखिर एक कटोरी हलवे में कितनी कैलोरीज होती हैं।

एक कटोरी गाजर के हलवे नें कितनी कैलोरीज होती हैं?

गाजर का हलवा बनाने के लिए कई चीजों का इस्तेमाल किया जाता है। इसे बनाने के लिए गाजर के साथ घी, खोया, चीनी, फुल फैट दूध और मेवा को मिलाया जाता है। अगर आप इन सभी चीजों के अलावा भी कुछ चीजों का इस्तेमाल करते हैं तो उसके मुताबिक इसमें कैलोरी बढ़ती जाती हैं। रिपोर्ट्स का मानना है कि एक छोटी कटोरी गाजर के हलवे 319 कैलोरी होती है।

कब खाएं गाजर का हलवा

गाजर का हलवा अगर आप सही समय पर खाएंगे तो खुद को समस्याओं से बचा सकते हैं। इसे खाने का सबसे अच्छी समय सुबह नाश्ते के बाद का है। ऐसा इसलिए क्योंकि फिर दिनभर में आप एक्टिव रहकर हलवे से पाई कलौरीज को बर्न कर सकते हैं। हलवे को कभी भी रात के समय न खाएं।

इस तरह बनाएं गाजर का हलवा कम होगी कैलोरीज

इस हलवो को बनाने का सबका अपना तरीका है। लेकिन अगर आप इस कम कैलोरी वाला बनाना चाहते हैं तो फुल फैट मिल्क की जगह लो फैट दूध का इस्तेमाल करें। इसके अलावा घी डालने से बचें। हलवे को मीठा करने के लिए चीनी की जगह नैचुरल स्वीटनर का इस्तेमाल करें।

नोट : इस खबर में बताए गए सुझाव सामान्य जानकारी पर आधारित हैं। इसलिए किसी भी उपचार/दवा/डाइट को अमल करने से पहले डाक्टर या संबंधित एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

महाकुम्भ : सूचना प्रसारण मंत्रालय की डिजिटल प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन संपूर्ण मेला अवधि तक किया जाएगा

• **जालंधर ब्रीज** . प्रयागराज

महाकुम्भ 2025 प्रयागराज में त्रिवेणी मार्ग पर प्रदर्शनी परिसर में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एकता के महाकुम्भ में 'जन भागीदारी से जन कल्याण' और भारत सरकार की विगत 10 वर्षो में उपलब्धियों, कार्यक्रमों, नीतियों एवं योजनाओं पर आधारित डिजिटल प्रदर्शनी का आज 13 जनवरी को शुभारम्भ हुआ। शुभारंभ के दिन ही प्रदर्शनी में सैकड़ो की भीड़ इकट्ठा हुई और प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

त्रिवेणी मार्ग प्रदर्शनी परिसर में आयोजित यह प्रदर्शनी मेला अवधि 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक आमजन के अवलोकन के लिए निःशुल्क खुली रहेगी। डिजिटल प्रदर्शनी में एनामॉर्फिक वाल, एलईडी टीवी स्क्रीन, एलइडी वाल, होलोग्राफिक सिलेंडर के माध्यम से विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदर्शित हो रही है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से जन सामान्य को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, नमो ड्रोन दीदी, लखपति दीदी, वेव्स, प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना, मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, डिजिटल इंडिया, प्रधानमंत्री आवास योजना, विद्याँजली, आत्म निर्भर भारत, स्किल इंडिया, एक भारत श्रेष्ठ भारत, प्रधान मंत्री उज्जवला योजना, हर घर जल योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, आज़ाद भारत के तीन नये कानून, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के साथ साथ नारी सशक्तिकरण की योजनाओं तथा विभिन्न अन्य योजनाओं की जानकारी दर्शकों और जन सामान्य को मिल रही है।

सूचना प्रसारण मंत्रालय के द्वारा डिजिटल प्रदर्शनी के अतिरिक्त महाकुंभ 2025 में 200 से अधिक आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के माध्यम से उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के लोक और शास्त्रीय कार्यक्रमों को भी विभिन्न स्थलों पर प्रदर्शित किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से भी विकसित भारत एवं भारत सरकार की विगत 10 वर्षो में उपलब्धियों, योजनाओं कार्यक्रमों और नीतियों को जन सामान्य के बीच में प्रदर्शित किया जा रहा है। इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी 13 जनवरी से लेकर 26 फरवरी तक संपूर्ण महाकुंभ मेला अवधि के दौरान किया जाएगा। प्रत्येक सांस्कृतिक कार्यक्रम एक अनूठी कहानी बताते और अपने क्षेत्र के स्थानीय रीति-रिवाजों, अनुष्ठानों और आध्यात्मिकता को दर्शाता है, जो महाकुंभ में आने वाले जन सामान्य के लिए के लिए एक शानदार दृश्य और कलात्मक अनुभव बनता है। इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सैकड़ो की संख्या में प्रतिभाशाली कलाकार भाग ले रहे हैं, जो विभिन्न क्षेत्रीय नृत्य और गायन शैलियों का प्रतिनिधित्व कर रहे है।

मिल्कवीड : आत्मनिर्भर भारत का फाइबर

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली) . *"कभी-कभी कोई नई प्रौद्योगिकी, कोई लंबे अर्से से चली आ रही समस्या और कोई साहसिक विचार मिलकर नवाचार की रचना करते हैं।" –* ***डीन कामेन***

यह विचारशील उद्धरण सफलताओं के सार को रेखांकित करता है: जब चुनौतियां नए परिप्रेक्ष्यों से जुड़ती हैं और प्रौद्योगिकी नए समाधानों तक पहुंचने के सेतु का काम करती है। वस्त्र जैसे उद्योगों में, यह

तालमेल पारंपरिक तरीकों में बदलाव ला रहा है, स्थिरता को बढ़ावा दे रहा है, और नई संभावनाओं के द्वार खोल रहा है। पर्यावरण के प्रति बढ़ती जागरूकता और सहायक सरकारी नीतियां मिश्रित सामग्रियों में सुदृढीकरण के रूप में बास्ट फाइबर के उपयोग में तेजी ला रही हैं, ताकि बढ़ती आबादी की ज़रूरते पूरी की जा सकें। बास्ट फाइबरों का प्राकृतिक रूप से सड़नशील होना और उनकी प्रचुरता, पर्यावरण के अनुकूल नवाचार की ओर बदलाव को चिह्नित करते हुए उन्हें ऑटोमोटिव उद्योग, संरचनात्मक कंपोजिट, पल्पिंग और टेक्सटाइल में प्रयोग के लिए आदर्श बनाती है। प्राकृतिक चमत्कार मिल्कवीड फाइबर, भारत के वस्त्र परिदृश्य में क्रांति लाने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान देने को तत्पर है। अपने आशाजनक गुणों, टिकाऊ खेती और किसानों की आजीविका को बढ़ाने की अपार संभावनाओं के साथ, मिल्कवीड बढ़ती आबादी के साथ वैकल्पिक फाइबर की अत्यावश्यक मांग का समाधान है, जो भारत के सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय लक्ष्यों के अनुरूप है।

मिल्कवीड कोई साधारण फाइबर नहीं है। इसके बीज की फली के भीतर लगे रेशमी, खोखले तंतुओं से प्राप्त, यह हल्का फाइबर असाधारण गुणों से युक्त होता है, जो इसे टिकाऊ सामग्रियों की तलाश में अग्रणी बनाता है। इसकी खोखली संरचना इसे उच्च संपीड़न और बेहतरीन थर्मल इन्सुलेशन प्रदान करती है, जिसका थर्मल मूल्य 100 प्रतिशत पॉलिएस्टर नॉनवॉवन (या बिना बुने कपड़े) से लगभग दोगुना है। मिल्कवीड को पॉलिएस्टर, ऊन, विस्कोस या कपास जैसे अन्य फाइबरों के साथ मिश्रित किए जाने पर, यह कपड़े की कोमलता, सांस लेने की क्षमता और गर्माहट को बढ़ाता है, जिससे न केवल आरामदायक बल्कि प्रीमियम गुणवत्ता वाले उत्पाद तैयार होते हैं।

मिल्कवीड की तकनीकी विशेषताओं के अतिरिक्त इसकी खेती भारत के कृषक समुदाय के लिए परिवर्तनकारी अवसर प्रस्तुत करती है।

पंजाब टमाटर उत्पादन और पेस्ट निर्माण को बढ़ावा देगा : रवनीत सिंह बिट्टू

जालंधर ब्रीज (राजपुरा/पटियाला) . खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (जीओआई), पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू), पंजाब एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) पंजाब में टमाटर उत्पादन और पेस्ट निर्माण को बढ़ाने के लिए संयुक्त विचार-विमर्श करने वाले हैं। राजपुरा में हिंदुस्तान यूनिलीवर प्लांट के अपने दौरे के दौरान, केंद्रीय रेल और

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने पंजाब के किसानों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के टमाटर उगाने और बाद में टमाटर पेस्ट उत्पादन करने में सक्षम बनाने के लिए इन हितधारकों के बीच सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

राजपुरा स्थित एचयूएल संयंत्र को केचप उत्पादन के लिए प्रतिवर्ष 11,423 मीट्रिक टन टमाटर पेस्ट की आवश्यकता होती है, लेकिन वर्तमान में पंजाब से केवल 50 मीट्रिक टन ही टमाटर पेस्ट की आपूर्ति की जाती है। मंत्री सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हाइब्रिड टमाटर बीज विकसित करने के लिए पीएयू लुधियाना को शामिल करने का प्रस्ताव रखा, जिससे पंजाब के किसान टमाटर की खेती कर सकेंगे। उन्होंने कहा, "आज कंपनियां पूरे भारत से पेस्ट खरीद रही हैं, जबकि पंजाब कुल आवश्यकता का केवल 2% ही आपूर्ति कर रहा है। यदि किसानों को उचित मूल्य का आश्वासन दिया जाता है, तो उन्हें पंजाब में टमाटर का उत्पादन क्यों नहीं करना चाहिए? उन्होंने कहा, "राज्य पहले से ही भारत में सर्वोत्तम रंग गुणवत्ता वाले टमाटर का उत्पादन करता है, जिसकी पुष्टि एचयूएल राजपुरा ने भी की है।"

दौरे के दौरान, केंद्रीय मंत्री ने एचयूएल प्रबंधन से स्थानीय खरीद बढ़ाने का आग्रह किया, ताकि पंजाब के किसानों को इस सुविधा का लाभ मिल सके। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार पंजाब के किसानों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगी। सिंह ने आगे सवाल किया, "अगर महाराष्ट्र इतनी बड़ी मात्रा में टमाटर पेस्ट का उत्पादन कर सकता है, तो पंजाब क्यों नहीं कर सकता?"

इस पहल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मंत्री सिंह ने जोर देकर कहा कि पंजाब में किसानों को सशक्त बनाने के लिए सरकार और निजी क्षेत्र को मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने दोहराया कि उचित मार्गदर्शन और समर्थन मिलने पर राज्य टमाटर उत्पादन और प्रसंस्करण में अग्रणी बन सकता है।

राष्ट्र के प्रति विशिष्ट सेवा के लिए वीर सैनिकों को सम्मानित

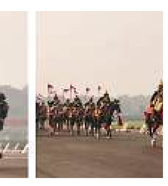

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली) . पश्चिमी कमान ने मानेकशॉ सेंटर और करिअप्पा परेड ग्राउंड दिल्ली कैंट में दो दिनों तक आयोजित एक शानदार अलंकरण समारोह में अपने वीर और प्रतिष्ठित सैनिकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर पुरस्कार विजेताओं को उनकी असाधारण बहादुरी, कर्तव्य के प्रति सराहनीय समर्पण और राष्ट्र के प्रति विशिष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया गया।

पश्चिमी कमान के सेना कमांडर, लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ ने 10 जनवरी, 2025 को मानेकशॉ ऑडिटोरियम में आयोजित एक शानदार समारोह में 53 प्रतिष्ठित पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। उन्होंने गोल्डन एरो डिवीजन को व्यावसायिक गतिविधियों, खेल और साहसिक कार्यों में असाधारण प्रदर्शन के लिए प्रतिष्ठित पश्चिमी कमान बैनर भी प्रदान किया। सेना कमांडर ने बाद में पुरस्कार विजेताओं और परिवारों से बातचीत की। जनरल ऑफिसर ने सभी रैंकों को पेशेवर उत्कृष्टता के लिए अपने प्रयास जारी रखने और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया।

अलंकरण समारोह का दूसरा चरण 11 जनवरी को करिअप्पा परेड ग्राउंड, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। पुरस्कार समारोह से पहले 06 मार्चिंग टुकड़ियों, 08 मैकेनाईज़ड टुकड़ियों और 61 कैवलरी- जो दुनिया की एकमात्र घुड़सवार रेजिमेंट है, की एक प्रभावशाली परेड हुई। इस अवसर पर, सेना कमांडर ने बहादुरी के कार्यो के लिए 14 पुरस्कार विजेताओं को वीरता पदक प्रदान किए और साथ ही पश्चिमी कमान के सेना अधिकारियों और इकाइयों को 27 यूनिट प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। परेड में स्वदेशी रूप से निर्मित हथियारों और उपकरणों के प्रदर्शन के साथ आत्मनिर्भर भारत पहल को भी प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शन में पिनाका मल्टी लॉन्चर रॉकेट सिस्टम, नाग मिसाइल सिस्टम, सर्वत्र ब्रिजिंग उपकरण, आकाश मिसाइल सिस्टम, स्वाति वेपन लोकेटिंग रडार और कई अन्य स्वदेशी रूप से निर्मित सैन्य उपकरण शामिल थे। शानदार परेड ने दर्शकों को विस्मित करते हुए अत्यधिक प्रशंसा पाई और हमारी सेना तथा हमारे रक्षा विनिर्माण उद्योग की शक्ति और क्षमता में राष्ट्र के विश्वास की पुष्टि की। बड़ी संख्या में वरिष्ठ अधिकारी, प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति और पुरस्कार विजेताओं के गौरवशाली परिवार कार्यक्रम में शामिल हुए।

स्टार्टअप इंडिया ने नौ साल किए पूरे, 17 लाख से अधिक रोजगार किया सृजित

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

स्टार्टअप इंडिया ने अपने लॉन्च के नौ साल पूरे कर लिए हैं। भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 1.54 लाख से अधिक स्टार्टअप को मान्यता दी गई है। इसके अलावा, नेतृत्व स्तर पर महिलाओं के 48फीसदी प्रतिनिधित्व के साथ, डेटा से पता चलता है कि इन स्टार्टअप ने 17 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए हैं। इस अवसर पर क्षेत्र के तीन स्टार्टअप्स इस प्रकार हैं।

स्टार्टअप जो नेत्रहीन और दृष्टिबाधित समुदाय को समावेशी शिक्षा और रोजगार की ओर सशक्त बनाता : हरियाणा में स्थित ट्रेसल लैब्स प्राइवेट लिमिटेड फरीदाबाद का एक कंटेंट और पब्लिशिंग स्टार्टअप है जिसकी स्थापना 2017 में अक्षिता सचदेवा और बोनी दवे ने की थी। यह स्टार्टअप नेत्रहीन और दृष्टिबाधित समुदाय को समावेशी शिक्षा और रोजगार की ओर सशक्त बनाता है। वास्तविक समय की सामग्री तक पहुँच के माध्यम से उन्हें किसी भी तरह की मुद्रित, हस्तलिखित या डिजिटल सामग्री को अपनी पसंद की भाषा में, कभी भी, कहीं भी सुनने, अनुवाद करने, डिजिटाइज़ करने और ऑडियोटेप करने में सक्षम बनाता है। ट्रेसल अपने उत्पाद 'किबो' के माध्यम से ऑडियो के जरिए से किसी भी सामग्री तक पहुँचने के लिए एक एंड-टू-एंड समाधान प्रदान करता है।

किबो,डीपीआईआईटी स्टार्टअप इंडिया नेशनल स्टार्टअप अवार्ड विजेता 2022 के उत्पादों में किबो मोबाइल ऐप शामिल है, जो 60 से अधिक भाषाओं में मुद्रित, हस्तलिखित और डिजिटल सामग्री तक ऑडियो-आधारित पहुँच प्रदान करता है। किबो एक्सएस डिवाइस, दस्तावेजों को स्कैन करने, अनुवाद करने, डिजिटाइज़ करने और ऑडियो में बदलने के लिए एक स्मार्ट टूल; और किबो डेस्क, पीडीएफ और छवियों को संपादित करने और परिवर्तित करने के लिए एक एसएएएस प्लेटफ़ॉर्म है। साथ में, ये नवाचार दृष्टिबाधित उपयोगकर्ताओं और अन्य लोगों को शिक्षा और दैनिक जीवन में समावेशिता को फिर से परिभाषित करते हुए, सामग्री तक सहजता से पहुँचने और उससे बातचीत करने में सक्षम बनाते हैं।

startupindia

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में एक्सपर्ट: पंजाब में स्थित हनुएआई प्राइवेट लिमिटेड एक अभिनव प्रौद्योगिकी कंपनी है जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग समाधानों में विशेषज्ञता रखती है। कंपनी कई तरह के उत्पाद और सेवाएँ प्रदान करती है जो व्यवसायों को विकास और दक्षता को बढ़ाने के लिए डेटा और स्वचालन की शक्ति का उपयोग करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। हनुएआई एआई-संचालित प्लेटफ़ॉर्म विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करता है जो स्वास्थ्य सेवा, वित्त, खुदरा और विनिर्माण सहित विभिन्न उद्योगों में बुद्धिमान अंतर्दृष्टि, भविष्य कहनेवाला विश्लेषण और प्रक्रिया स्वचालन प्रदान करते हैं। हनुएआई डीपीआईआईटी स्टार्टअप इंडिया नेशनल स्टार्टअप अवार्ड फाइनलिस्ट 2023 रहा था। उनके एआई-संचालित समाधानों ने विभिन्न उद्योगों में परिचालन दक्षता को बदल दिया है। उदाहरण के लिए लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के लिए उनके पूर्वानुमानित विश्लेषण उपकरण ने कंपनियों को डिलीवरी में देरी को 20 फीसदी तक कम करने व लागत में 15 फीसदी की कटौती करने में मदद की। स्वास्थ्य सेवा में उनके एआई-संचालित डायग्नोस्टिक टूल ने प्रारंभिक चरण की बीमारी का पता लगाने की सटीकता में सुधार किया है, विशेष रूप से सीमित संसाधनों वाले ग्रामीण क्लीनिकों शामिल हैं। शैक्षणिक संस्थानों के साथ हनुएआई के सहयोग ने एआई अनुसंधान व विकास को बढ़ावा दिया है।

पायलटों के लिए प्री-ऑर्डर प्राप्त किए इस कंपनी ने: चंडीगढ़ में स्थित टेराफैक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड एक अभिनव प्रौद्योगिकी कंपनी है जो विनिर्माण क्षेत्र में उन्नत समाधान प्रदान करने पर केंद्रित है। कंपनी अत्याधुनिक उत्पादों को विकसित करने में माहिर है जो विनिर्माण प्रक्रियाओं को बढ़ाने के लिए स्वचालन, रोबोटिक्स और डेटा-संचालित प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करते हैं। उनकी पेशकशों में दक्षता में सुधार, लागत कम करने और स्मार्ट विनिर्माण को अपनाने वाले उद्योगों के लिए संचालन को अनुकूलित करने के लिए डिज़ाइन किए गए उत्पाद शामिल हैं। महिला दिवस पर एचटी सिटी चंडीगढ़ द्वारा प्रस्तुत, कंपनी ने विनिर्माण क्षेत्र में एक नया उत्पाद पेश किया है, जिससे पायलटों के लिए प्री-ऑर्डर प्राप्त हुए हैं। कंपनी ने जीईएम पोर्टल पर पंजीकरण कराया है और कार्यशालाएँ चलाने के लिए पंजाब राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद के साथ साझेदारी स्थापित की है। 7.5 करोड़ रुपये की हस्ताक्षरित वीसी टर्म शीट के साथ, टेराफैक दो ग्राहकों के साथ पायलट शुरू करने के लिए तैयार है। कंपनी ने एबीबी रोबोटिक्स के साथ सहयोग भी किया है और अपनी टीम का विस्तार 18 तक कर दिया है, और पाइपलाइन में और अधिक नियुक्तियाँ की जा रही हैं। स्टार्टअप इंडिया की शुरुआत 16 जनवरी, 2016 को हुई थी और इस पहल ने देश में उद्यमिता को बढ़ावा देने और एक जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 30 नवंबर, 2024 तक, इस पहल ने सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 1,54,719 स्टार्टअप को मान्यता दी थी, जिनमें से 48फीसदी में कम से कम एक महिला निदेशक थी। इन स्टार्टअप ने सामूहिक रूप से 17 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए हैं। आगे देखते हुए, स्टार्टअप महाकुंभ 2025 भारत की वैश्विक पहुँच को बढ़ाने और स्टार्टअप हब के रूप में देश को आगे बढ़ने के लिए तैयार है।

युवा शक्ति का सशक्तिकरण : विकसित भारत युवा नेता संवाद 2025

भारत अपनी स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष-2047 की ओर आगे बढ़ रहा है, ऐसे में हमारे युवा विकसित भारत के निर्माण के हमारे मिशन में सबसे आगे हैं। बिना किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले एक लाख युवाओं को राजनीति में शामिल करने के माननीय प्रधानमंत्री के आह्वान पर, हमने राष्ट्रीय युवा महोत्सव को एक असाधारण रूप में परिकल्पित किया है – "विकसित भारत युवा नेता संवाद 2025"। यह संवाद केवल एक आयोजन नहीं है, यह एक अभियान है, युवा सशक्तिकरण, नेतृत्व और व्यावहारिक विचारों का एक जीवंत उत्सव है, जो "विकसित भारत" से जुड़े देश के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव की परिकल्पना :

दो दशकों से अधिक समय से, राष्ट्रीय युवा महोत्सव सांस्कृतिक आदान-प्रदान और युवा ऊर्जा का प्रतीक रहा है। हालांकि, इस वर्ष, हमने अलग तरीके से सोचने का साहस किया। 18 नवंबर, 2024 को, हमने उत्सव के प्रारूप में एक अभूतपूर्व परिवर्तन की घोषणा की, जिसके केंद्र में नेतृत्व, नवाचार और राष्ट्र-निर्माण को रखा गया।

इस परिकल्पना का केंद्र है – विकसित भारत चुनौती, जो तीन चरणों वाली प्रतियोगिता है। इस प्रतियोगिता को भारत के सबसे प्रतिभाशाली युवाओं की पहचान करने और उन्हें विकसित करने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया है। यह चुनौती योग्यता, समावेश और पारदर्शिता पर आधारित है, जो भौगोलिक या पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना हर युवा भारतीय को योगदान करने का समान अवसर मिलना सुनिश्चित करती है। पहले

जालंधर ब्रीज

डॉ. मनसुख मांडविया
(केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री)

चरण, विकसित भारत क्विज़ में देश भर के लगभग 3 मिलियन युवाओं ने भाग लिया। 12 भाषाओं में आयोजित इस प्रतियोगिता में पिछले दशकों में भारत की प्रगति के बारे में उनके ज्ञान का परीक्षण किया गया, जिससे समावेश और पहुँच सुनिश्चित हुई।

दूसरे चरण के तहत, विकसित भारत निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहराई से विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। पेश किये गए दो लाख से अधिक निबंधों में विकास के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने, सतत विकास को अपनाने, सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति बनाने जैसे दस विषयगत क्षेत्रों पर विचार प्रस्तुत किये गए। विशेषज्ञ पैनल द्वारा मूल्यांकित इन निबंधों ने हमारे युवाओं की रचनात्मकता, विश्लेषणात्मक सोच और मौलिकता के बारे में गहन जानकारी प्रदान की। अंतिम चरण के अंतर्गत, विकसित भारत विज़न डेक प्रतियोगिता में शीर्ष प्रतिभागी राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में शामिल हुए। यहाँ, युवा नेताओं ने क्षेत्र (डोमेन) विशेषज्ञों और नेतृत्व मध्यस्थों के पैनल के सामने अभिनव विचार प्रस्तुत किए। इस चरण में जमीनी स्तर के दृष्टिकोण और क्षेत्रीय विविधता पर जोर दिया गया, जिससे युवा भारतीयों की स्थानीय रूप से कार्य करते हुए वैश्विक स्तर पर सोचने की क्षमता का प्रदर्शन हुआ।

इन चरणों के माध्यम से पूरी हुई यात्रा को सुदृढ़ता और दृढ़ संकल्प की प्रेरक कहानियों से रेखांकित किया जा सकता है। पूर्वोत्तर की पहाड़ियों तथा राजस्थान और गुजरात के गाँवों से लेकर तमिलनाडु के तटीय शहरों तक, हमने युवा नेताओं को सामाजिक बाधाओं, लॉजिस्टिक्स चुनौतियों और व्यक्तिगत कठिनाइयों को पार करते हुए विकसित भारत का अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत करते देखा – एक ऐसा भारत, जिसकी वे कल्पना करते हैं।

सहकारिता : एक सतत और समावेशी वैश्विक भविष्य की कुंजी

हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (ICA) का वैश्विक सहकारी सम्मेलन 2024, सौ से अधिक देशों से आए वैश्विक नेताओं की एक सभा मात्र न होकर कहीं अधिक मायने रखता है; यह एक सतत एवं न्यायसंगत भविष्य को आकार देने में सहकारी समितियों के बढ़ते महत्व का प्रमाण है। सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 (IYC 2025) का शुभारंभ किया, जो एक महत्वपूर्ण वैश्विक पहल है जिसका मूल उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (SDG) को आगे बढ़ाने में सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यानाकर्षित कराना है। यह वर्ष वैश्विक, आर्थिक और सामाजिक विमर्श का वह महत्वपूर्ण अध्याय बन रहा है, जहाँ सहकारी समितियों को न केवल स्थानीय विकास के साधन बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में भी पहचान दी जा रही है।

सहकारी मॉडल : आस्तित्व में समुदायिक पर वैश्विक बदलाव के लिए तैयार– सहकारी मॉडल के मूल में एक सरल लेकिन शक्तिशाली अवधारणा निहित है – परस्पर लाभ के लिए एक साथ काम करते लोग। सहकारिता सामूहिक स्वामित्व, साझा जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक निर्णय लेने पर जोर देती है। इन सिद्धांतों ने दुनिया भर में कृषि, स्वास्थ्य सेवा और वित्तीय सेवाओं से लेकर ऊर्जा उत्पादन तक उल्लेखनीय सफलताएँ दिलाई हैं।

भारत में, सहकारी समितियाँ ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही हैं

जालंधर ब्रीज

मुरलीधर मोहोल
(केन्द्रीय सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री)

। उदाहरण के लिए, अमूल ने न केवल भारत को दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक बना दिया है, बल्कि सहकारिता के माध्यम से आत्मनिर्भरता और समृद्धि का प्रतीक भी बन गया है। अमूल जैसी डेयरियां उन सभी महिलाओं को सशक्त बनाकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिला नेतृत्व वाले विकास का समर्थन करती हैं, जो महिलाएं व्यावसायिक दूध उत्पादक के लिए ऐसी समितियों से जुड़ी हुई हैं। अपने सहकारी मॉडल के माध्यम से ये सहकारी समितियाँ नेतृत्व की भूमिकाएँ, कौशल विकास और वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं, जिससे महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करने में मदद मिलती है और अर्थव्यवस्था में उनकी भूमिका और मजबूत होती है।

सहकारी मॉडल को बढ़ावा देने में भारत का नेतृत्व : भारत ने लंबे समय से आर्थिक परिवर्तन और सामाजिक प्रगति को बढ़ावा देने के साधन के रूप में सहकारी समितियों के मूल्य को पहचाना है। नई दिल्ली में आयोजित ICA वैश्विक सहकारी सम्मेलन के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की उपस्थिति ने सहकारी आंदोलन के प्रति भारत की गहरी प्रतिबद्धता को उजागर किया है। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के शुभारंभ के दौरान उनके संबोधन ने एक आत्मनिर्भर, समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में सहकारिता की भूमिका को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण ने हाशिए पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाने की सहकारी क्षेत्र की क्षमता पर भी प्रकाश डाला, खासकर ग्रामीण भारत में, जहाँ सहकारी समितियाँ, कृषि और डेयरी फार्मिंग जैसे क्षेत्रों की रीढ़ बनी हुई हैं। नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में, भारत सरकार ने सहकारी क्षेत्र को बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। सरकार द्वारा सहकारिता को बढ़ावा देने के लिए लिए जा रहे कदम इस मान्यता को उजागर करते है कि सहकारी समितियाँ केवल अतीत की निशानी नहीं हैं, बल्कि समकालीन आर्थिक और सामाजिक विकास की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

गणतंत्र दिवस के मद्देनजर पंजाब पुलिस ने राज्य के 169 रेलवे स्टेशनों पर तलाशी अभियान चलाया

173 संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया, 2593 वाहनों की जांच की; 246 के चालान काटे

• जालंधर ब्रीज. चंडीगढ़

गणतंत्र दिवस-2025 से पहले पुख्ता सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने के मद्देनजर, पंजाब पुलिस ने आज राज्य के सभी रेलवे स्टेशनों और उनके आसपास विशेष घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया। यह अभियान पुलिस महानिदेशक पंजाब गौरव यादव के निर्देशानुसार दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक सभी 28 पुलिस जिलों में एक साथ चलाया गया। इस दौरान पुलिस टीमों ने स्नीफर डॉग्स की मदद से रेलवे स्टेशनों पर आने-जाने वाले व्यक्तियों की तलाशी ली।

इस राज्यव्यापी अभियान की व्यक्तिगत निगरानी कर रहे विशेष पुलिस महानिदेशक (कानून और व्यवस्था) अर्पित शुक्ला ने कहा कि सभी सीपीज/एसएसपीज को निर्देश दिया गया था कि वे इस ऑपरेशन के तहत प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर कम से कम दो पुलिस टीमों को तैनात करें और इनकी निगरानी गजेटेड रैंक के अधिकारियों से कराएं। उन्होंने यह भी कहा कि अभियान के दौरान पुलिसकर्मियों को सभी व्यक्तियों के साथ शालीनता से पेश आने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने बताया कि राज्यभर के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर 250 पुलिस पार्टियां, जिनमें 2300 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल थे, तैनात किए गए थे, ताकि आम जनता को किसी तरह की असुविधा न हो। उन्होंने आगे बताया कि राज्य के 169 रेलवे स्टेशनों पर चलाए गए इस ऑपरेशन के दौरान 3299 व्यक्तियों की तलाशी ली गई, जबकि 173 संदिग्ध व्यक्तियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया।

विशेष डीजीपी ने बताया कि इसके अलावा पुलिस टीमों को वाहन ऐप का उपयोग कर रेलवे स्टेशनों के आसपास खड़े सभी वाहनों की जांच करने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने रेलवे स्टेशनों के आसपास विभिन्न पार्किंग में खड़े 2593 वाहनों की जांच की, जिनमें से 246 वाहनों के ट्रैफिक चालान जारी किए गए और 18 वाहनों को जब्त किया गया।

सीएम मान ने दिल्ली के गांधी नगर विधानसभा में किया रोड शो, बड़ी संख्या में लोग हुए शामिल

• जालंधर ब्रीज. चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने वीरवार को दिल्ली के गांधी नगर विधानसभा में एक बड़ा रोड शो किया। मुख्यमंत्री मान गांधी नगर से 'आप' उम्मीदवार नवीन चौधरी दीपू के नामांकन के मौके पर यहां पहुंचे थे। रोड शो बड़ी संख्या में आप कार्यकर्ता और स्थानीय लोग शामिल हुए। लोगों ने नारे लगाकर मुख्यमंत्री भगवंत मान और आप उम्मीदवार का स्वागत किया। मान ने पार्टी की बड़ी जीत का दावा किया और कहा कि आज लोगों की भारी भीड़ ने साबित कर दिया कि दिल्ली के लोग फिर से आम आदमी पार्टी की सरकार बनाने जा रहे हैं।

मान ने लोगों से कहा कि 5 तारीख को आपको अपने परिवार और आपके बच्चों की किस्मत फैसला करना है। इसलिए ऐसे व्यक्ति को चुने जो काम करना जानता हो और नफरत की राजनीति नहीं करता हो। उन्होंने कहा कि गाली- गलौज वालों के हाथ में आपने भविष्य की जिम्मेदारी नहीं देनी है। नफरत की राजनीति करने वाले कभी भी आपका भला नहीं कर सकते। अरविंद केजरीवाल ने रामलीला मैदान से जो काफिला शुरू किया वह बढ़ते बढ़ते आज बहुत जगहों पर फैल चुका है। पंजाब में हमारी सरकार बनी। चंडीगढ़ में हमारा मेयर है। जालंधर और पटियाला में हमारा मेयर है। दिल्ली के एमसीडी में आम आदमी पार्टी है। गुजरात में हमारे पांच विधायक हैं, गोवा में हमारे दो विधायक है, पंजाब से हमारे तीन लोकसभा मेंबर है और 7 राज्यसभा मेंबर है दिल्ली से भी तीन राज्यसभा मेंबर है। सिर्फ 10 साल में आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय पार्टी बन गई। यह बहुत बड़ी बात है। मान ने कहा कि दिल्ली में जो काम हुए चाहे मोहल्ला क्लीनिक और सरकारी अस्पताल हो, सरकारी स्कूलों का कायापलट हो। मुफ्त बिजली व मुफ्त पानी देने एवं महिलाओं के लिए बस सफर फ्री करने के काम हो, हमने ये सारे काम पंजाब में भी लागू किया। पंजाब में सरकार बने को करीब तीन साल हो गए। अभी तक हमने पंजाब में 850 मोहल्ला क्लीनिक बनाए। सरकारी अस्पतालों में इलाज फ्री है और सरकारी स्कूलों का कायापलट कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता के आवास पर धमाका, बाजवा ने मांगा मान से इस्तीफा

• जालंधर ब्रीज. चंडीगढ़

बटाला से पंजाब कांग्रेस के नेता अमन जैतीपुरिया के आवास पर आरडीएक्स विस्फोट के बाद, पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने गुरुवार को पंजाब में कानून और व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने में उनकी पूरी तरह से विफलता के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की निंदा की। बाजवा ने पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्र में खराब कानून व्यवस्था की स्थिति के लिए भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को भी दोषी ठहराया क्योंकि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) सीमा के 50 किमी के अधिकार क्षेत्र के भीतर अपनी शक्ति का प्रयोग करता है और बटाला बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र में आता है। एक ओर जहां पंजाब का सीमावर्ती इलाका विस्फोटों से हिल गया है, वहीं गृहमंत्री भगवंत मान पहले क्रिकेट मैच देखने के लिए ऑस्ट्रेलिया रवाना हो गए थे और अब दिल्ली चुनाव में आम आदमी पार्टी के पक्ष में प्रचार में व्यस्त हैं। यदि मान कुशलतापूर्वक प्रदर्शन नहीं कर सकते हैं तो उन्हें होम पोर्टफोलियो छोड़ना होगा। उन्हें इस पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बाजवा ने कहा कि वह राज्य के अब तक के सबसे अप्रभावी मुख्यमंत्री और एचएम साबित हुए हैं। अपने कर्तव्यों का पालन करने के बजाय, उन्होंने दिल्ली चुनाव प्रचार के लिए पंजाब को भगवान की दया पर छोड़ दिया। क्या वह कभी पंजाब में काम करने के लिए पर्याप्त ईमानदार होंगे?

जालंधर नागरिक-केंद्रित सेवाएं प्रदान करने में अग्रणी स्थान पर बरकरार

पिछले एक वर्ष में सरकारी सेवाओं के लिए 378483 आवेदन स्वीकृत

• जालंधर ब्रीज. जालंधर

जालंधर ने राज्य भर में सेवा केंद्रों द्वारा जिले के लोगों को आसानी से एवं सबसे कम पेंडेंसी दर के साथ नागरिक केंद्रित सेवाएं प्रदान करने का अपना रिकॉर्ड बरकरार रखा है। डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि पिछले एक वर्ष के दौरान प्रशासन को जिले भर में सेवा केंद्रों के माध्यम से विभिन्न नागरिक सेवाओं के लिए कुल 399573 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 378483 आवेदनों का समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित किया गया।

डा. अग्रवाल ने बताया कि 13237 आवेदन अपूर्णता अथवा अन्य कमियों के कारण अस्वीकृत कर दिए गए है जबकि 5260 आवेदन प्रक्रियाधीन हैं, जिनका निर्धारित समय में निपटारा कर आवेदकों को सेवाएं प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन लोगों को समय एवं निर्बाध ढंग से सरकारी सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने कहा कि सेवाओं के लिए प्राप्त आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करने के निर्देश अधिकारियों को पहले ही जारी किए जा चुके है। इसके अलावा, जहां सेवा केंद्रों के प्रदर्शन की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है, वहीं सेवाएं प्राप्त करने आए लोगों से फीडबैक भी लिया जाता है ताकि लोगों को सेवाएं प्राप्त करने में कोई परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन के निरंतर प्रयासों के कारण, जालंधर ने सबसे कम पेंडेंसी दर के साथ सेवाएं प्रदान करने में राज्य में अग्रणी स्थान बनाए रखने में यह सफलता हासिल की है। बता दे कि जिले में इस समय 35 सेवा केंद्र कार्यरत हैं।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और सड़क सुरक्षा को जन आंदोलन बनाने के निर्देश

पुलिस, परिवहन व स्कूल शिक्षा विभाग को एन.जी.ओज के साथ मिलकर जागरुकता रैली व सेमीनार करने की भी दी हिदायत

• जालंधर ब्रीज. होशियारपुर

डिप्टी कमिश्नर कोमल मित्तल की ओर से जिला प्रशासकीय कांप्लेक्स में अलग- अलग विभागों के अधिकारियों के साथ सड़क सुरक्षा माह संबंधी बैठक कर उन्हें दिशा निर्देश जारी किए गए। उन्होंने ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन होने के कारण होने वाले हादसों की गंभीर स्थिति से परिचित करवाते हुए ट्रैफिक नियमों के बारे में खुद सावधान होने व बाकियों को भी जागरुक करने का आह्वान किया। बैठक में जनवरी 2025 को सड़क सुरक्षा माह के रूप में मनाने की योजना तैयार की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और सड़क सुरक्षा को जन आंदोलन बनाने के लिए विस्तृत कार्य योजना पर चर्चा की गई। इस मौके पर उनके साथ एस.एस.पी सुरेंद्र लांबा भी मौजूद थे।

डिप्टी कमिश्नर ने उपस्थित एन.जी.ओज, पुलिस व आर.टी.ओ को स्कूलों, कॉलेजों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर सड़क सुरक्षा संबंधी रैली व सेमीनार करने के निर्देश दिए। उन्होंने 'माई भारत पोर्टल' पर युवाओं को सड़क सुरक्षा प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए कहा, जिसके लिए स्कूलों व कालेजों में सड़क सुरक्षा शपथ, कार्यशालाएं और नुक्कड़ नाटक करवाने की हिदायत दी। उन्होंने पुलिस व आर.टी.ओ को हेलमेट और सेफ्टी गियर पहनने पर सख्ती करने के निर्देश देते हुए कहा कि नशे में ड्राइविंग और तेज गति पर "जीरो टॉलरेंस" नीति अपनाई जाए। उन्होंने कहा कि मोटर व्हीकल एक्ट का जमीनी स्तर पर अनुपालन यकीनी बनाया जाए। डिप्टी कमिश्नर व एस.एस.पी ने कहा कि ट्रैफिक नियमों, आपातकालीन देखभाल और 'गुड समैरिटन्स' के नियमों के प्रति भी ज्यादा से ज्यादा जागरुकता फैलाई जाए। उन्होंने कहा कि सडक़ किनारे लगी घास-बूटी को साफ करवाया जाए।

युवाओं का विदेशों में पलायन और उपाय पर एनसीसी कैडेटों की परिचर्चा

• जालंधर ब्रीज. जालंधर

2 पंजाब एनसीसी बटालियन के तत्वाधान में एनसीसी कैडेटों द्वारा पंजाब के युवाओं का विदेशों में पलायन और उपाय पर परिचर्चा दोआबा कालेज में कराई गई। परिचर्चा पर दस सीनियर कैडेटों ने भाग लिया। कैडेटों ने पिछले दो दशको से पंजाब से सर्वाधिक युवाओं के पलायन के कारण और सरकार और समाज द्वारा उठाये गये कारगर उपाय पर अपने विचार रखे। परिचर्चा के मुख्य अतिथि कर्नल विनोद जोशी कमान अधिकारी 2 पंजाब एनसीसी बटालियन और डा प्रदीप भड़ारी प्रिंसिपल दोआबा कालेज ने प्रतियोगिता का मूल्याकन किया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय एनसीसी साईकिल रैली और राष्ट्रीय डिफेन्स एकेडेमी के रोमांचक वीडियो से हुई। सभी प्रतिभागियों ने चार मिनट के अन्तराल में अपने विचार रखें। मुख्य अतिथि कर्नल जोशी ने युवाओं के लिये रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिये 'मेक इन इंडिया', 'वोकल फार लोकल','मेड इन इंडिया' और शिक्षा को रोजगार से जोड़ने पर बल दिया। पिछले एक वर्ष में पलायन प्रतिशित में कमी आई हैं। कर्नल विनोद ने एनसीसी की विभिन गतिविधियों और कैम्प मे उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एनसीसी कैडेटों को ट्रेकसूट, कमान अधिकारी प्रशंसा पत्र और एनसीसी कॉफी मग से सम्मानित किया। पंजाबियों के पलायन और उपाय परिचर्चा में प्रथम स्थान केडेट सोनाली, दूसरा पुरस्कार सीनियर अंडर अफसर नीतीश और तीसरा पुरस्कार छवी शर्मा को प्राप्त हुआ। उन्हें सर्टिफिकेट व मेडल से सम्मानित किया।

'100 दिवसीय टीबी अभियान' को सफल बनाने के प्रयास तेज किए जाएं : सिविल सर्जन

• जालंधर ब्रीज. जालंधर

टी.बी. स्वतन्त्र भारत अभियान के मद्देनजर सिविल सर्जन डा. गुरमीत लाल के नेतृत्व में जिले में "100 दिन टीबी अभियान" के तहत प्रयास तेज कर दिए गए हैं। सिविल सर्जन ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए टी.बी. सक्रिय मामला खोज (एसीएफ) परियोजना के तहत टी.बी. रोगियों का पता लगाना, मृत्यु दर कम करना और टीबी को रोकना। संवेदनशील क्षेत्रों में टीबी रोकथाम शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। मरीजों की स्क्रीनिंग की जा रही है। उन्होंने कहा कि टी.बी. रोकथाम गतिविधियों को और तेज कर दिया गया है। इस संबंध में सिविल सर्जन डा. गुरमीत लाल ने सभी वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों और वी.सी. से मुलाकात की। उन्होंने निर्देश दिया कि अभियान के अंत तक सभी जांचे गए रोगियों में से 100 प्रतिशत की जांच और एक्स-रे किया जाए।

सिविल सर्जन डॉ. गुरमीत लाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह 100 दिवसीय टीबी अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान जिले में स्लम क्षेत्रों, औद्योगिक

क्षेत्रों, उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों को कवर किया जा रहा है और टीबी पर नियंत्रण किया जा रहा है। टीबी रोगी और उनके परिवार के सदस्य निःशुल्क जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि इस मुहिम में जालंधर जिले को पंजाब में अग्रणी बनाने के लिए जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में अब तक 1,25,979 टीबी मरीजों का इलाज किया जा चुका है। मरीजों की स्क्रीनिंग और 1640 मरीजों के एक्स-रे किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 100 दिन टी.बी. अभियान के दौरान 7 दिसंबर 2024 से 15 जनवरी 2025 तक 251 टीबी मरीजों का इलाज किया गया।

पराली जलाने के मामलों में कमी, डीसी ने 27 अधिकारियों को किया सम्मानित

• जालंधर ब्रीज. जालंधर

डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने ज़िले में बीते वर्ष पराली जलाने की घटनाओं को रोकने में अहम भूमिका निभाने वाले अलग- अलग विभागों के 27 अधिकारियों को सम्मानित किया। डिप्टी कमिश्नर ने अधिकारियों को प्रशंसा पत्र सौंपते हुए पराली प्रबंधन में दिए कीमती योगदान के लिए उनकी प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि साल 2023 में ज़िले में पराली जलाने के 1196 मामले सामने आए थे, जिनमें साल 2024 दौरान 87 प्रतिशत गिरावट आई और 157 मामले ही रिपोर्ट हुए।

सम्मान हासिल करने वालों में एसडीएम आदमपुर विवेक मोदी, एस.डी.एम.जालंधर- 1 रणदीप सिंह हीर, एसडीएम जालंधर- 2 बलबीर राज सिंह, एसडीएम नकोदर लाल विश्वास, एसडीएम फिल्लौर अमनपाल सिंह, एसडीएम शाहकोट शुभी आंगरा, डीएसपी शाहकोट ओंकार सिंह बराड़, डीएसपी नकोदर सुखपाल सिंह, ऐक्सियन पंजाब प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड सन्दीप कुमार, सब डिविज़नल अधिकारी पीएसपीसीएल बलविन्दर सिंह, नायब तहसीलदार नकोदर गुरदीप संधू, नायब तहसीलदार जालंधर- 2 अमरजीत सिंह, कृषि अधिकारी जसबीर सिंह, ए.ए.ई. नवदीप सिंह, खेती विकास अधिकारी रमनदीप, लखवीर सिंह और अमरीक सिंह, कार्यकारी अधिकारी नगर पंचायत बिलगा बलजीत सिंह, डिप्टी प्रोजैक्ट डायरैक्टर (आत्मा) विपुल छाबड़ा, एग्री एक्स्टेंशन अफ़सर मोहिन्दर सिंह, सुरिन्दरपाल, जसवंत सिंह और कुलविन्दर कौर, इंस्पेक्टर को-आपरेटिव सोसायटी शाहकोट मितलेश कुमार, एस.एच.ओ. भोगपुर यादविन्दर सिंह और एसएचओ फिल्लौर संजीव कपूर और पंचायत सचिव शाहकोट अमनदीप सिंह शामिल है।

अवाजाई कानूनों को लागू करने पर दें विशेष ध्यान : डिप्टी कमिश्नर

• जालंधर ब्रीज. कपूरथला

डिप्टी कमिश्नर अमित कुमार पंचाल ने ट्रैफ़िक पुलिस, ट्रांसपोर्ट और शिक्षा विभागों को निर्देश दिए है कि सेफ स्कूल वाहन पालिसी के अंतर्गत विद्यार्थियों की सुरक्षा को पहल दी जाए। ज़िला सड़क सुरक्षा समिति की मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए डिप्टी कमिश्नर ने ज़ोर दिया कि यह यकीनी बनाया जाए कि रोजाना स्कूल जाते विद्यार्थियों की सुरक्षा के मद्देनज़र सभी स्कूल वाहन ज़रूरी सुरक्षा मापदण्डों अनुसार लैस होने चाहिए।

इसके इलावा डिप्टी कमिश्नर ने अधिकारियों को हिदायत की कि सड़क दुर्घटनाओं विशेष कर धुंध के दौरान हादसों को रोकने के लिए ज़िले भर में ब्लाक स्पाट स्थानों की पहचान के बाद तुरंत साईनेज, रिफलेक्टर और लायटें लगाई जाएँ ताकि हादसों को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि ट्रैफ़िक नियमों को सख़्ती के साथ लागू किया जाए। उन्होंने ट्रैफ़िक पुलिस को यह भी हिदायतें की कि अवाजाई नियमों की पालना हित ई-चालान जारी करने को यकीनी बनाया जाए।

डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि ज़िले में अवाजाई की स्थिति में सुधार होने का जायज़ा लेने के लिए नियमित तौर पर बैठके की जाएँ। इस मौके अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर वरिन्दरपाल सिंह बाजवा, एस.डी.एमज मेजर इरविन कौर, अर्पणा और जशनजीत सिंह और सड़क सुरक्षा समिति के मैंबर आदि उपस्थित थे।

बुमराह ने जीता आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड, पैट कमिंस व डेन पेटरसन को पछाड़ा

फोटो-बीसीसीआई

स्पोर्ट्स डेस्क. आईसीसी ने दिसंबर 2024 महीने के आईसीसी प्लेयर ऑप द मंथ विनर का ऐलान किया है। इस कड़ी में भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पुरुष वर्ग में महीने का बेस्ट खिलाड़ी चुना गया है। बुमराह ने इस मामले में पैट कंमिस और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज डेन पेटरसन को पछाड़कर आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीता है। उन्होंने दूसरी बार ये अवॉर्ड जीतने का कारनामा किया है।

बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर घातक गेंदबाजी की थी। उन्होंने दिसंबर में तीन टेस्ट में 14.22 के औसत से 22 विकेट चटकाए। उन्होंने चौथे और पांचवें मैच में 9-9 विकेट अपने नाम किए हैं। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की बीजीटी में कुल 32 विकेट चटकाए। वह पीठ की जकड़न के कारण सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम टेस्ट में दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। भारत ने कमिंस की अगुवाई वाली टीम के हाथों 1-3 से सीरीज गंवाई।

कमिंस ने दिसंबर में भारत के खिलाफ तीन टेस्ट में 17.64 की औसत से 17 विकेट झटके। दूसरी ओर, पेटरसन ने श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की और दक्षिण अफ्रीका की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने दो टेस्ट में 16.92 के औसत से 13 विकेट हासिल किए थे। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में एंट्री कर चुके हैं, जो जून में लंदन के मैदान पर खेला जाना है।

वहीं बुमराह ने कहा कि मैं दिसंबर महीने का आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर रोमांचित हूं। व्यक्तिगत पुरस्कारों के लिए चुना जाना सदैव विनम्र करने वाला होता है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अब तक की सबसे कड़ी प्रतिस्पर्धाओं में से एक थी। मेरे लिए ऑस्ट्रेलिया में जाकर अपने देश के लिए प्रदर्शन करना सम्मान की बात थी।

महिलाओं के लिए जागरूकता कैम्प 23 जनवरी को

जालंधर (जालंधर ब्रीज). सामाजिक सुरक्षा और महिला एवं बाल कल्याण विभाग द्वारा महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 23 जनवरी को स्थानीय रेड क्रॉस भवन में एक जागरूकता कैम्प आयोजित किया जा रहा है। अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (जनरल) मेजर डा. अमित महाजन ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित किए जा रहे इस कैम्प का उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि इस जागरूकता कैम्प के दौरान सिविल अस्पताल के डॉक्टरों की टीम द्वारा मेडिकल चेकअप कैंप भी लगाया जाएगा। इसके अलावा पौष्टिक आहार, योगाभ्यास और स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं के बारे में जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जागरूकता कैम्प के दौरान बेटियों की लोहड़ी भी मनाई जाएगी। अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि कैम्प के दौरान पेंशन और महिलाओं के कल्याण के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

पंजाब सरकार स्थापित करेगी सिक्योरिटी ऑपरेशन सेंटर : अमन अरोड़ा

• जालंधर ब्रीज. चंडीगढ़

पंजाब सरकार ने विभिन्न सरकारी एप्लिकेशन और वेबसाइटों सहित आई.टी. ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक सिक्योरिटी ऑपरेशन सेंटर (एस.ओ.सी.) स्थापित करने का निर्णय लिया है। यह महत्वपूर्ण निर्णय आज चंडीगढ़ स्थित मैगसीपा में प्रशासनिक सुधार और जन शिकायत मंत्री अमन अरोड़ा की अध्यक्षता में हुई पंजाब राज्य ई-गवर्नेंस सोसायटी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 19वीं बैठक में लिया गया।

अमन अरोड़ा ने बताया कि 42.07 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होने वाले इस एस.ओ.सी. के क्रियाशील होने से पंजाब उत्तरी भारत के अग्रणी राज्यों में शामिल हो जाएगा, जो उच्च स्तर की साइबर सुरक्षा क्षमताओं से लैस होगा। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में बढ़ते और व्यापक होते साइबर खतरों को ध्यान में रखते हुए, राज्य में सिक्योरिटी ऑपरेशन सेंटर की स्थापना समय की जरूरत बन गई है। यह केंद्र आई.टी. ढांचे की सुरक्षा के लिए साइबर घटनाओं की रियल-टाइम मॉनिटरिंग, पहचान और उचित कार्रवाई करने में सक्षम बनाएगा। बैठक के बाद मंत्री ने सभी डिप्टी कमिश्नरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक की। इसमें उन्होंने नागरिक सेवाओं को और अधिक कुशलतापूर्वक प्रदान करने के उद्देश्य से प्रमुख प्रशासनिक सुधारों और रणनीतियों का जायजा लिया और चर्चा की।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.